

# Sarthak NAAI

# February

# Bulletin 2020



**EMPOWERING PERSONS WITH DISABILITIES SINCE  
2008**

NAAI Training for International Abilympics March 15-21  
Sarthak NAAI Mumbai Regional Conference- April 28-29  
TCS W 10 K Marathon Bangalore- May 17

# Highlights of the Month

## Sarthak Jaipur Samagam- Together for an Inclusive and Equal World For Persons with Disabilities

**Sarthak Educational Trust** and **National Abilympics Association of India** organized Samagam in Jaipur with intent to provide a platform to various stakeholders to discuss and strategize required initiatives for disability inclusive development.

The event was followed by **Press conference** attended by team Sarthak, prominent corporate partners and alumnae.



## Session by Padma Bhushan Dr. M B Athreya at Sarthak Leap Inclusion Digital Academy, Mumbai



A learning Curve is essential to growth.

**Padma Bhushan Dr. MB Athreya**, Sarthak Mentor & Guru taking capacity building session at **Capgemini supported Sarthak Leap Inclusion Digital Academy, Mumbai.**

Session attended by alumnae, Beneficiaries and Sarthak team,

# Stakeholder Outreach

## Sarthak Disability Sensitization workshop at Reliance Retail Corporate Office and Mahindra Logistics

**Disability sensitization workshop** was organized at **Reliance Corporate Office** and **Mahindra Logistics**, Mumbai with the objective to alter mindsets, address fears, confusion, break stereotypes, and bust myths about persons with disability.

The aim of workshop was to create awareness and sensitized approach among different levels of workforce in an organization to work towards creating an eco-sphere to have an inclusive workplace.



## Volunteering Activities at Sarthak Skill Building Centers with employees of Credit Suisse Securities India Pvt Ltd and Pernod Ricard



Employees from **Credit Suisse** and **Pernod Ricard** visited Sarthak Centers in Mumbai and New Delhi to volunteer their expertise and to further guide students for enhancing their interview skills, Personality Development, CV Preparation, Financial Literacy etc

# Centers in Progress

## Visit at Sarthak Leap Inclusion Digital Academy, Hyderabad

**Mr. Atul Bhatnagar, Former COO, NSDC and National Advisory Board Member Sarthak** Visited **Sarthak Leap Inclusion Digital Academy Hyderabad** to interact and guide beneficiaries, alumnae and center team to work together towards a common mission of empowering Persons with Disabilities and building an inclusive ecosystem.



## Alumnae Meet at Sarthak Skill Building Center, Kolkata



Every month, Sarthak conducts an alumnae meet across centers to establish a mentor/mentee relationship, and provides students with a valuable source of guidance.

# Through their eyes-Sarthak Story

3 months vocational skill training at Sarthak proved to be a game changes in the life of N. Bhavani Priya. Training program not only equipped her with required skills but also enhanced her confidence level resulting in a decent job at a leading retail chain- Reliance Retail



Narayan communicates through sign language but that doesn't make him less employable. All it needs is a little consideration and thoughtfulness. Working with many others using the same language, Narayan works at Vitthal's Kitchen, one of the prominent hiring partners of Sarthak at Jaipur.

# Sarthak in Spotlight

**दिव्यांगजनों को नौकरी के अवसर सुनिश्चित करने के 5 साल पूर्ण**

## सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगजन के लिए शुरू किया गया एक वरदान 'सार्थक नॉलेज बैंक'

जयपुर, 15 फरवरी (कासं)

सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट और एनएएआई पिछले एक दशक से लगातार देश में 30 मिलियन दिव्यांगजनों से जुड़े मुद्दों को उजागर करने की कोशिश कर रहे हैं, जो उन्हें रोजगार खोजने के लिए सशक्त बनाएगा और जिससे वह अपनी उद्यमशीलता की क्षमता को दिखा सकेंगे। 18 कौशल निर्माण केंद्रों के माध्यम से सार्थक ने 1,000 से ज्यादा कॉर्पोरेट घरानों के समर्थन से 18,000 से अधिक दिव्यांगजनों को सशक्त बनाया है। यह जानकारी सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट के संस्थापक और सीईओ डॉ. जितेन्द्र अग्रवाल ने दी। एनएसडीसी और द हंस फाउंडेशन द्वारा समर्थित सार्थक का जयपुर केंद्र 29 मई 2015 से व्यावसायिक कौशल निर्माण और दिव्यांगजनों के सतत रोजगार के अवसरों की दिशा में काम कर रहा है। राजस्थान में, सार्थक के केंद्र का उद्घाटन केंद्रीय कैबिनेट मंत्री थावर चंद गहलोत,



सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री द्वारा किया गया था। अपने 5 वर्षों के दौरान संगठन ने भारत में दिव्यांगजनों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने के लिए आईटी, रिटेल और हॉस्पिटैलिटी में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। प्रशिक्षण का लाभ उठाते हुए 1289 से अधिक दिव्यांगजन को प्रशिक्षित किया है और 900 दिव्यांगजनों को सफलतापूर्वक अमेज़न, रिलायंस फ्रेश, डी मार्ट, विशाल मेगा मार्ट, लेमन ट्री जैसे कई अन्य कॉर्पोरेट घरानों में नौकरी मिली है।

जनगणना आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में 15,63,694 व्यक्ति

दिव्यांगजन हैं, जिनमें से 1,88,989 दिव्यांगजन 20-29 आयु वर्ग के हैं। इसलिए, उनके समावेश की आवश्यकता काफी स्पष्ट है और इस तरह के और अधिक केंद्र स्थापित करना, जहां न केवल व्यावसायिक प्रशिक्षण बल्कि रोजगार सहायता भी प्रदान की जाती है, एक महत्वपूर्ण कदम है। इस तरह के इंटरैक्टिव और विभिन्न एडवोकेसी इवेंट्स के माध्यम से सार्थक सक्रिय दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देता है जिसे एक सशक्त राष्ट्र बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों द्वारा अपनाया जाना चाहिए।

## दिव्यांगों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण 'डिसेबिलिटी इंकलूसिव डेवलपमेंट' पर प्रोग्राम

सिटी रिपोर्टर . जयपुर

सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट और एनएएआई की ओर से शनिवार को 'डिसेबिलिटी इंकलूसिव डेवलपमेंट' प्रोग्राम की जानकारी दी गई। इस प्रोग्राम के जरिए नॉलेज बैंक और एमआईएस जैसी सुविधा शुरू की जा रही है। नॉलेज बैंक में जहां कई स्किल कोर्स ऑनलाइन उपलब्ध रहेंगे तो वहीं एमआईएस के जरिए दिव्यांग जनों के ट्रेनिंग की सारी जानकारी मिल पाएगी।

इस अवसर पर सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. जितेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि संस्था की ओर से दिव्यांग जनों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के लिए आईटी, रिटेल और हॉस्पिटैलिटी में

निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। देशभर में 18 कौशल निर्माण केंद्र के जरिए 1 हजार कॉर्पोरेट घरानों के समर्थन से अबतक 18 हजार से अधिक दिव्यांग जनों को सशक्त बना चुके हैं। जयपुर में एनएसडीसी और द हंस फाउंडेशन द्वारा समर्थित सार्थक की शुरुआत 2015 में की गई।

हम सरकार से अपील करते हैं कि दिव्यांग के लिए सुविधाजनक वातावरण प्रदान करने के लिए, कॉर्पोरेट के साथ सक्रिय रूप से आवश्यक सहायता प्रणाली प्रदान करने के लिए आगे आए। जीवन के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग जनों को शामिल करने के लिए संवेदीकरण और उन्मुखीकरण की सुविधा दें।

## सार्थक एजुकेशनल ने दिव्यांगजनों को सशक्त बनाया

डेली न्यूज, जयपुर। सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट और एनएएआई पिछले एक दशक



से लगातार देश में 30 मिलियन दिव्यांगजनों से जुड़े मुद्दों को उजागर करने की कोशिश कर रहे हैं, जो उन्हें रोजगार खोजने के लिए सशक्त बनाएगा और जिससे वह अपनी उद्यमशीलता की क्षमता को दिखा सकेंगे। 18 कौशल निर्माण केंद्रों के

माध्यम से सार्थक ने 1000 से ज्यादा कॉर्पोरेट घरानों के समर्थन से 18,000 से अधिक दिव्यांगजनों को सशक्त बनाया है। यह जानकारी सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट के संस्थापक और सीईओ डॉ. जितेन्द्र अग्रवाल ने दी। एनएसडीसी और द हंस फाउंडेशन द्वारा समर्थित सार्थक का जयपुर केंद्र 29 मई 2015 से व्यावसायिक कौशल निर्माण और दिव्यांगजनों के सतत रोजगार के अवसरों की दिशा में काम कर रहा है। राजस्थान में, सार्थक के केंद्र का उद्घाटन केंद्रीय कैबिनेट मंत्री थावर चंद गहलोत, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री द्वारा किया गया था। अपने 5 वर्षों के दौरान संगठन ने भारत में दिव्यांगजनों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने के लिए आईटी, रिटेल और हॉस्पिटैलिटी में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। प्रशिक्षण का लाभ उठाते हुए 1289 से अधिक दिव्यांगजन को प्रशिक्षित किया गया है और 900 दिव्यांगजनों को सफलतापूर्वक अमेज़न, रिलायंस फ्रेश, डी-मार्ट, विशाल मेगा मार्ट, लेमन ट्री जैसे कई अन्य कॉर्पोरेट घरानों में नौकरी मिली है।

# 5 Facts about Disability

Source: World Health Organisation

## **Fact 1: Over a billion people live with some form of disability**

This corresponds to about 15% of the world's population. Between 110-190 million adults have very significant difficulties in functioning. Rates of disability are increasing, due to population ageing and the global increase in chronic health conditions.

## **Fact 2: Disability disproportionately affects vulnerable populations**

Lower-income countries have a higher prevalence of disability than higher-income countries. Disability is more common among women, older people and children and adults who are poor.

## **Fact 3: People with disabilities often do not receive needed health care**

Half of Persons with disabilities cannot afford health care, compared to a third of non-disabled people. People with disabilities are more than twice as likely to find health-care providers' skills inadequate. Persons with Disabilities are four times more likely to report being treated badly and nearly three times more likely to be denied health care.

## **Fact 4: Children with disabilities are less likely to attend school than non-disabled children**

Education completion gaps are found across all age groups in all settings, with the pattern more pronounced in poorer countries. For example, the difference between the percentage of Children with Disabilities and the percentage of non-disabled children attending primary school ranges from 10% in India to 60% in Indonesia.

## **Fact 5: People with disabilities are more likely to be unemployed than non-disabled people**

Global data show that employment rates are lower for disabled men (53%) and disabled women (20%) than for non-disabled men (65%) and non-disabled women (30%). In OECD countries, the employment rate of people with disabilities (44%) was slightly over half that for people without disabilities (75%).

**Stay tuned with us at [www.sarthakindia.org](http://www.sarthakindia.org)**